देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

झुग्गी में रहने वाले 3024 लोगों को मिले... 12

युवाओं को रोजगार मुहैया कराएगी योगी सरकार 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 23
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 03 नवम्बर, 2022

पराली को जलाने की जगह खेतों में मिलाएं

और खेत की भरपूर उर्वरा शक्ति बढ़ाएं

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत पांच दिवसीय (30 अक्टूबर से 03 नवंबर 2022) कृषक प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का आयोजन किया गया। जिसमें बीते दिन बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कृषकों को बताया कि किसान पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं। कानपुर देहात के जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनों जैसे सीडर, सुपर सीडर एवं मल्चर आदि के बारे में बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के अनूपपुर, रुदापुर, सहतावनपुरवा गांव के किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:256 | देहरादून, बुधवार, 02 नवंबर, 2022 | पृष्ठ:08

फसल अवशेष न जलाने के लिए किया जागरूक

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत पांच दिवसीय (30 अक्टूबर से 03 नवंबर 2022) कृषक प्रशिक्षण का द्वितीय बैच का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है इस अवसर पर कानपुर देहात के जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ–साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं उन्होंने बताया कि वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि हैइस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के अनूपपुर, रुदापुर, सहतावन पुरवा गांव के किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए किया जागरूक

कानपुर, 2 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत पांच दिवसीय(30 अक्टूबर से 03 नवंबर 2022) कृषक प्रशिक्षण का द्वितीय बैच का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर कानपुर देहात के जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं। उन्होंने बताया कि वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के अनूपपुर, रुदापुर, सहतावनपुरवा गांव के किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

प्रशिक्षण वर्ग में किसानों को जानकारी देते डाक्टर आशोक कुमार।

वर्ष 16 अंक 299 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, गुरूवार 03 नवम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए किया जागरूक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत पांच दिवसीय(30 अक्टूबर से 03 नवंबर 2022) कृषक प्रशिक्षण का द्वितीय बैच का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर कानपुर देहात के जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं। उन्होंने बताया कि वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के अनूपपुर, रुदापुर, सहतावनपुरवा गांव के किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।